News Clipping of ICAR - CIPHET, Ludhiana signed MoU with MDU, Rohtak

एमडीयू और आईसीएआर लुधियाना ने किया एमओयू

रागारा जिल्ला जनवन जारत न नवव करता।

मदवि की पृष्ठभूमि प्रकाश डाला

षुए जताया । फ प्रामाण सफाइ प्रमुख तार पर शामल रह

एमडीयू के माइक्रोबायोलोजी विभागाध्यक्ष डा. के.के. शर्मा ने इस एमओयू की पृष्ठभूमि तथा महत्व पर प्रकाश डाला। एमडीयू के डीन एकेडमिक एफेयर्स प्रो. सरेंद्र कुमार, डीन सीडीसी प्रो. एएस मान, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीन लाइफ साइंसेज प्रो राजेश धनखड़ं, डीन, शोध निदेशक प्रो. एएस छिल्लर समेत इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी में जीव विज्ञान संकाय विभागों के प्राब्लम साल्विंग रिसर्च का कार्य अध्यक्ष, सीईसीएआर-सीफेट से कर रही है। फसल कटाई उपरांत वैज्ञानिक सुश्री सूर्या तथा डा. होने वाले नुकसान का न केवल धतिमान साहा, एमडीयू निदेशक मूल्यांकन बल्कि उचित प्रौद्योगिकी जनसंपर्क सुनित मुखर्जी उपस्थित पहल से समस्या समाधान भी कर रहे। गौरतलब है कि सीफेट की वैज्ञानिक सूर्या एमडीयू एलुमना है रही है। उन्होंने कहा कि ये एमओय

तथा इस एमओय हस्ताक्षर में

उनका योगदान रहा।



रोहतक। एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा व सीआईपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत एमओयू अदान प्रदान करते हुए। जीव विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों आउटरिच विशेष रूप से किसानों में इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी में

पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट

हारवेस्ट मैनजमेंट विशेष रूप से

पराली प्रबंधन का रास्ता भी प्रशस्त

होगा। इस मौके पर निदेशक सेंटल

इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हारवेस्ट

इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी डॉ.

नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि

सीआईपीएचईठटी पोस्ट हारवेस्ट

जीव विज्ञान संकाय के प्राष्यापकों तथा शोधार्थियों ने विशेषज्ञता के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। शोध में निलेगा लाभ

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बताया कि इस करार से न केवल उच्चतर

कि इस करार से ने कवल उच्चतर अध्ययन तथा संयुक्त शोध में लाभ मिलेगा, बल्कि सामुदायिक

मदवि तथा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (आईसीएआर). लुधियाना के मध्य शोध एवं प्रशिक्षण हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की उपस्थिति में एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा तथा सीआईपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवाली वाले ने करार पत्र पर हस्ताक्षर किए। वीसी ने कहा कि एमडीय तथा सीआईपीएचईटी के मध्य ये एमओयू विद्यार्थियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापरक शोध कैपीसिटी बिल्डिंग का रास्ता प्रशस्त करेगा। वीसी ने कहा कि एमडीयू जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में अग्रणी विवि है। विश्वविद्यालय के

एमडीयू व सीआइपीएचईटी के बीच हुआ एमओयू

जागरण संवाददाता, रोहतक : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय तथा सेंटल इंस्टीट्यूट आफ पोस्ट-हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी (आइसीएआर), लुधियाना के मध्य शोध एवं प्रशिक्षण हेत् मेमोरेंडम अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) आफ पर हस्ताक्षर किए गए। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में एमडीय रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा तथा सीआइपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवाली वाले ने करार पत्र पर हस्ताक्षर किए।

कुलपति ने कहा कि एमडीयू तथा सीआइपीएचईटी के मध्य ये एमओयू विद्यार्थियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापरक शोध कैपीसिटी बिल्डिंग का रास्ता प्रशस्त करेगा। कुलपति ने कहा कि एमडीयू जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान



दोनों संस्थानों के लिए अत्यन्त

लाभकारी होगा।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो . गुलशन लाल तनेजा तथा सीआइपीएचईटी निदेशक प्रो . नचिकेत कोतवाली वाले करार पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद आदान–प्रदान करते हुए ।

संकाय के प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने अपने विशेषज्ञता के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। कुलपति ने कहा कि इस करार से न केवल उच्चतर अध्ययन तथा संयुक्त शोध में लाभ मिलेगा, बल्कि सामुदायिक आउटरिच विशेष रूप से किसानों में पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हारवेस्ट मैनेजमेंट विशेष रूप से पराली प्रषंधन का रास्ता भी प्रशस्त होगा।निदेशक, सेंट्रल इंस्टीटयट आफ पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी डा. नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि सीआइपीएचईठटी पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी में प्राब्लम साल्विंग रिसर्च का कार्य कर रही है। फसल कटाई उपरांत होने वाले नुकसान का न केवल मूल्यांकन बल्कि उचित प्रौद्योगिकी पहल से समस्या समाधान भी कर रही है। उन्होंने कहा कि ये एमओयू दोनों संस्थानों के लिए अत्यन्त लाभकारी होगा। एमडीयू के माइक्रोबायोलोजी विभागाध्यक्ष डा. केके शर्मा ने इस एमओयू की पृष्ठभूमि तथा महत्त्व पर प्रकाश डाला।एमडीयू के डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. सुरेन्द्र कुमार, डीन सीडीसी प्रो. एएस मान, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीन लाइफ साइंसेज प्रो. राजेश धनखड़, डीन, शोध निदेशक प्रो. एएस छिल्लर समेत जीव विज्ञान संकाय विभागों के अध्यक्ष, सीइसीएआर-सीफेट से वैज्ञानिक सुश्री सूर्या आदि मौजूद रहे।

शोध और प्रशिक्षण के लिए एमडीयू और आईसीएआर में हुआ एमओयू

पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट का रास्ता भी प्रशस्त होगा

चाई बिटी लिपोर्टर

रोहलकः। यहथि दयानंद विश्वविद्यालय और सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आइंसीएआर) लुधियाना के मध्य शोध और प्रशिधण के लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ है।

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की ज्यांस्थति में रजिस्ट्रार प्रो. गुलाशन तनेजा व सीआईपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवालीवाले ने करार पत्र पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि एमडीयू व साआईपीएचईटी के मध्य यह एमओयू विद्याधिया के व्यावस्तायिक प्रशिक्षण व गुलवत्तापरक शोध धमता वृद्धि का रास्ता प्रशस्त करेगा। एमडीयू जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में आग्रणी विश्वविद्यालय है। इस करार से न केवल उच्चतर अध्यक्षन व संयुक्त शोध में लाभ मिलगा, बर्ट्स सामुदायिक आउटरिय विशय रूप थे किसानों में पर्यावरणीय जयरकता, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट का



एमडीयू में एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति घो. राजबीर सिंह । व्यनज

रास्ता भी प्रशस्त होगा।

निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्वोलॉजी डॉ. नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि सीआईपीएचईटी पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्वोलॉजी में प्राब्लम सॉल्विंग रिसर्च का कार्य कर रही है। फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान का न केवल मूल्यांकन, बल्कि उचित प्रोद्योगिकी पहल से समस्या समाधान भी कर रही है। यह एमओगू दोनों संस्थानों के लिए लाभकारी होगा। एमडीयू के माइकोबायोलांजी विभागाध्यक्ष डॉ. केके शर्मा ने इस एमओगू की पृष्ठभूमि व महत्त्व पर प्रकाश डाला।

एमडीयू के डीन, एकेडीयक अफेयर्स प्रो. सुरेंद्र कुमार, डीन सीडीसी प्रो. एएस मान, डीन लाइफ साइंसेज प्रो. राजेश धनखड़, डीन, शोध निदेशक प्रो. एएस किल्लरर आदि उपस्थित रहे।



एम.ओ.यू. साइन करते एम.डी.यू. और आई.सी.ए.आर. अधिकारी। प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने अपने विशेषज्ञता के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। कलपति ने कहा कि इस करार से न केवल उच्चतर अध्ययन तथा संयुक्त शोध में लाभ मिलेगा, बल्कि सामुदायिक आउटरिच विशेष रूप से किसानों में पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हारवेस्ट मैनजमैंट विशेष रूप से पराली प्रबंधन का रास्ता भी प्रशस्त होगा।

निदेशक, सैंटल इंस्टीच्यूट ऑफ पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी डा. नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि सी. आई. पी. एच.ई. टी. पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी में प्राब्लम साल्विंग रिसर्च का कार्य कर रही है। फसल कटाई उपरांत होने वाले नुकसान का

न केवल मूल्यांकन बल्कि उचित प्रौद्योगिकी पहल से समस्या समाधान भी कर रही है। उन्होंने कहा कि ये एम.ओ.यू. दोनों संस्थानों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। एम. डी. यू. के माइक्रोबायोलोजी विभागाध्यक्ष डा. के.के. शर्मा ने इस एम.ओ.यू. की मुष्ठभूमि तथा महत्त्व पर प्रकाश डाला।

रोहतक, 18 मई (पंकेस) : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय तथा मेंटल इंस्टीच्यूट ऑफ पोस्ट-हारबेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी (आई. बी. ए. आर.), लुधियाना के मध्य शोध एवं प्रशिक्षण हेनु मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एम. जा. यू.) घर हस्ताक्षर किए गए।

एम.डी.यू, कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की गरिमामयी डपस्थिति में एम.डी.यू. रजिस्ट्रार डी. गुलझान लाल तनेजा तथा ची आई पी एच ई टी. निदेशक प्रो. नचिकेत कातवालीवाल ने करार यत्र पर हरनाक्षर किए। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि इस. ही. यू. तथा सी. आई. पी. एच.ई.टी. के मध्य व एम.जो.यू. विद्यार्थियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापरक शोध कैपीसिटी बिल्विंग का रास्ता प्रशस्त करेगा। कुलपति ने कहा कि एम.डी.चू. जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय के